

	9607
RUBEN KELLE	

1125 1126 1127 1128

नमः श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ आदिहो हिदा ॥

आदिहो मसिदु ॥

उषसमसहिदु ॥

३ हयसः कार्यनाह ॥

४ दमसहिदु ॥

॥ यकादसः हिदा ॥

२ वसमः हनीयः दसमः स ॥

३ कतिनाहः ॥ कादसः स ॥

४ ययं प्रियमननाहः स ॥

५ वसमः स ॥ वसमः स ॥

६ नवः स ॥ योदिकि विम ॥

७ ननधनमान लगनः ॥

हिदुल ॥ ॥

१ आगविनादयु ॥

२ उगुरु ॥ रुहानीरुयु ॥

३ आगिरुयः सतवि ॥

४ धननासः यगुविध ॥

५ पतः आगः यिह ॥

६ सफदयः सफदयः ॥

७ सगुवाधय ॥

१२ असहयु ॥

१ यैरुहः सफः नडः उमः ॥

२ वरुथः द्विः त्रः त्रः त्रः ॥

३ निलुपः वदिसः हादः ॥

४ नासंगः साहयः सऊन ॥

५ वाधवः प्रिप्रः रागः हीदा ॥

६ यस्य कऊनः यः त्रवि ॥

७ कलाकि ॥

८ धूमिसहिदु ॥

वदु माहिदु ॥

११ कादसहिदु ॥

१० दसमहिदु ॥

९ सफमहिदु ॥

८ हतिमहिदु ॥

७ वसमहिदु ॥

६ नकहिदु ॥

३ कादसदसचः स ॥

४ पतमः सतिः सतिः ॥

५ पतमिगुधनकाच ॥

६ नवसुः राहः ॥ कतान ॥

७ दयः लायः धनवः ॥

८ मुक्तः वः गनः साद ॥

९ युडा ॥

१० धूमिचदु माहिदु ॥

१ चंद्रमा मरिह ॥
 २ राजा ॥ राह ॥ हयद ॥
 ३ गुप्त राय दय ॥ धन ॥
 ४ व्याधिडा न रुय ॥
 ५ मिखा स्याय ॥
 ६ प्यन रागरुय ॥
 ७ धन हानि ॥ हयदय ॥

१ चंद्रमा मरिह ॥
 २ दीहय ॥ दादसा ॥ इक्षनडा ॥
 ३ म ॥ पं ॥ के ॥ व ॥ रु ॥ थ ॥ रा ॥ लो ॥ स्या ॥
 ४ दागसाक के ॥ ऊन नार्थ ॥
 ५ वि ॥ स ॥ गे ॥ मे ॥ नै ॥ मे ॥ ले ॥ नी ॥ ना ॥ स ॥ रु ॥
 ६ र्क ॥ ॥ द ॥ नी ॥ वि ॥ द ॥ स ॥ ग ॥ म ॥ नै ॥ वि ॥
 ७ वा ॥ द ॥ व ॥ ड ॥ क ॥ ल ॥ ति ॥ प ॥ ल ॥ ख ॥ स्या ॥
 ८ य ॥ दा ॥ ह ॥ य ॥ के ॥
 ९ थ ॥ ति ॥ च ॥ द ॥ मा ॥ म ॥ रि ॥ ह ॥ रु ॥ रा ॥

१ अंगल ॥ रिह ॥
 २ ॥ च ॥ को ॥ द ॥ स ॥ रि ॥ ह ॥
 ३ ॥ द ॥ स ॥ म ॥ रि ॥ ह ॥
 ४ ॥ च ॥ त ॥ म ॥ रि ॥ ह ॥
 ५ ॥ रु ॥ मि ॥ ति ॥ य ॥ रि ॥

१ होमादि ॥ न ॥ ति ॥ य ॥ व ॥ रु ॥ थ ॥
 २ रा ॥ सि ॥ ग ॥ ना ॥ न ॥ य ॥ के ॥ य ॥ रु ॥
 ३ च ॥ का ॥ द ॥ स ॥ द ॥ हा ॥ व ॥ म ॥ न ॥ ऊ ॥
 ४ स्या ॥ क ॥ रा ॥ ति ॥ वि ॥ वि ॥ धि ॥ सा ॥
 ५ मु ॥ मि ॥ गु ॥ गु ॥ रु ॥ वा ॥ धा ॥ सु ॥ रु ॥
 ६ प ॥ द ॥ सा ॥ अ ॥ ना ॥ न ॥ र ॥ य ॥ कु ॥ ल ॥
 ७ अ ॥ म ॥ स ॥ थ ॥ अ ॥ न ॥ न ॥ के ॥ रु ॥ य ॥
 ८ न ॥
 ९ थ ॥ ति ॥ अ ॥ ग ॥ ल ॥ रि ॥ ह ॥

१ गीगमत्र मरिह ॥
 २ रागरुय ॥
 ३ रा ॥ ऊ ॥ रु ॥ य ॥ द ॥ यि ॥
 ४ अ ॥ ग्नि ॥ रु ॥ य ॥ द ॥ यि ॥
 ५ अ ॥ ना ॥ ना ॥ हा ॥ ग ॥ रु ॥ य ॥
 ६ मि ॥ रा ॥ स्या ॥ य ॥
 ७ मि ॥ गु ॥ रु ॥ य ॥ रु ॥ य ॥
 ८ स ॥ प ॥ रा ॥ रु ॥ रा ॥ ग ॥
 ९ मि ॥ रा ॥ स्या ॥ क ॥

१ स ॥ फ ॥ इ ॥ न ॥ डा ॥ ऊ ॥ र्म ॥ च ॥
 २ रु ॥ थ ॥ रु ॥ स्या ॥ दा ॥ क ॥
 ३ ऊ ॥ र्म ॥ नि ॥ ग ॥ न ॥ स ॥ वि ॥ ज ॥
 ४ द ॥ दा ॥ ति ॥ वा ॥ ना ॥ रि ॥ रा ॥
 ५ ग ॥ व ॥ धि ॥ रु ॥ ना ॥ व ॥ ल ॥ न ॥
 ६ रु ॥ त ॥ वा ॥ गु ॥ रु ॥ रु ॥ य ॥ रु ॥
 ७ रा ॥ म ॥
 ८ थ ॥ ति ॥ अ ॥ ग ॥ म ॥ त्र ॥ म ॥ रि ॥

१ वृधयाहिद॥
 २ इति यहिद॥
 ४ वगु थहिद॥
 ५ पंचमहिद॥
 ११३ कादसहिद॥
 १० दसमहिदि॥

१३ कादस, न३, पंचमस १ वृधमहि॥
 फ नासै स्वज्य गुलु विवि १ रुयदयिधन हनि
 धिलतन धन पुथा जान ३ सकट न नास॥
 वृधि पुथा पियं सु ना पंच ४ मि क नरु॥
 यक नाति, धमार्थ काम १ सि वि का ग
 विरु व क ध ना न्य पृष्ठ १ सिखा साक॥
 थ गि वृध हिद॥ १२ सुद्र या कृ रुय॥

१ अद्या नति यन वसुः
 फ, न थानु मठ निरुस
 मध्यय, गत स सि स्य नाः
 सि॥ आया समं ग्री रुयं
 मथ कर्त वि वा द वि पु वृ
 वि यश्च वृध स्य क ना ती
 निरु॥
 थ गि वृध महि॥

१ वृहपति हिद॥
 ११३ कादस हिद॥
 २ दि नृ य हिद॥
 २ नउम हिद॥
 ५ पंचमहिद॥
 १ स फ महिद॥

३ कदि, पंच, वगु, रु
 नडा, रुय, ३ कादस
 त्रिदु पियं सु म्यम
 मुकु कृ यो न सु वसु
 धन का कृ न, रुग वी
 रुं या ना स नं स यनः
 रुग वि धन वि धि॥
 पृति वृह स्य गि हिद॥

1.076	ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES

1.076

1.076

१ वरुसपानिमहिदु॥

२ निवधिधानरुतुय

३ वरुसकुरुय॥

४ भात्रस्याकवध॥

५ सुवारलहिधु॥

६ हानिर्मनरुया॥

१० धानवालन॥

१२ मंगापभात्रस्याक

षट्कसुमदसम, निवधुयसु, कहिदु॥

मीस्यादादसबविलगुलु ॥ यकादसहि॥

त्रथहानि॥ सुनपुगुगम २ दितियहि॥

नमसुसकगावकुर्यागासु ४ वरुध, हो॥

गाप, स्याकयागपियगाव ५ पैवमहि॥

कुर्यागा॥

धुतिवरुपति॥

६ अरुम, हि॥

७ नडुमहि॥

८ नडुमहि॥

९ वरुहि॥

१ गुरुवरुवरुकरुद

आथअरुमवरुयाः

वरुवरुवरु, नडुमसा

त्रियसुथमत्रिमास

मपिपुय्यागसुना

धनपवरुयामरुंधा

पत्रामपवरुयवरु

य्याग॥

गुरुमहिनि॥

३ त्रागीरुय॥

गसुिकतरु॥

१० धनहानि

१ गुरुवरुवरु, दसमसु

नेम, षट्कसुसकुर्या

न॥ निनीकसुधनध

नपुनासु, उरुजनसु

विहीवसुत्रिगायकि

कात्रागीविवादमत्रि

विधिमनाथनासु॥

गुरुमहिनि॥

अनिवर्तहि॥

११५ कादसहि॥

१० दसमहि

३ निरुयहि

३ मरुमहि

१५ कादसदसमयहम

नितिया तस्य सनिवर्त

दहपिदाकेपुनदावः

विगुदहनेदसमावृधि

नोव्वीदसगमनंमम

थनास तविसगमनंधा

वचालपन॥

पुनिति सनिव तहिया

१५ निवर्तहि मरिडा

१५ रुहय॥

२ धननोस॥

४ वधविनांधा॥

५ वधविना॥

१५ मिनिविनाग॥

१५ रुहय मरुत्वं

२ धनसासनास॥

१२ धनसोनि॥

१५ वमसक अहने

३५ मरुवगुदिहले

का तालवत्रकि॥

पुवधिममिपुनित

गुसंरुयमोहनवाः

धवविपुका गहादेद

सक त्रागंक त्राकि॥

पुनिसनिवमहिडा॥

१५ कादसहि॥

१५ कादसहि॥

१० दसमहि॥

३ मरुमहि॥

३ निरुयहि॥

१५ कादसदसमयहम

२५ रुहिये तस्य त

५ वलकि॥ सुवसुन

न त्राहं मि त्राहं धः

न को के न मिगुपु

त्राहं वक्योम

पुनित त्राहहिडा॥

ककुमुसहिद॥

१ वषट् यमालम्बाक

२ पुनः विज्ञाग, अविवात्र

४ अथवा त्रहया॥

अन्तराधिकार, गहमन्

न प्यन आग॥

६ विपत्तिक त्रह॥

७ पुनः स, न् गुरुहय॥

१२ स्वका हानि, न् गुरुहय

ककुमुसहिद॥

३ ककुमुसहिद॥

४ वषट् मन्त्रि॥

११ उकादसहि

१ ककुमुसहिद॥

२ वषट् मन्त्रि॥

३ वषट् मन्त्रि॥

४ वषट् मन्त्रि॥

५ वषट् मन्त्रि॥

ककुमुसहिद॥

१ ककुमुसहिद॥

२ वषट् मन्त्रि॥

३ वषट् मन्त्रि॥

४ वषट् मन्त्रि॥

५ वषट् मन्त्रि॥

६ वषट् मन्त्रि॥

७ वषट् मन्त्रि॥

८ वषट् मन्त्रि॥

९ वषट् मन्त्रि॥

१० वषट् मन्त्रि॥

ककुमुसहिद॥

३ ककुमुसहिद॥

४ वषट् मन्त्रि॥

५ वषट् मन्त्रि॥

६ वषट् मन्त्रि॥

७ वषट् मन्त्रि॥

८ वषट् मन्त्रि॥

९ वषट् मन्त्रि॥

१ ककुमुसहिद॥

२ वषट् मन्त्रि॥

३ वषट् मन्त्रि॥

४ वषट् मन्त्रि॥

५ वषट् मन्त्रि॥

६ वषट् मन्त्रि॥

७ वषट् मन्त्रि॥

८ वषट् मन्त्रि॥

९ वषट् मन्त्रि॥